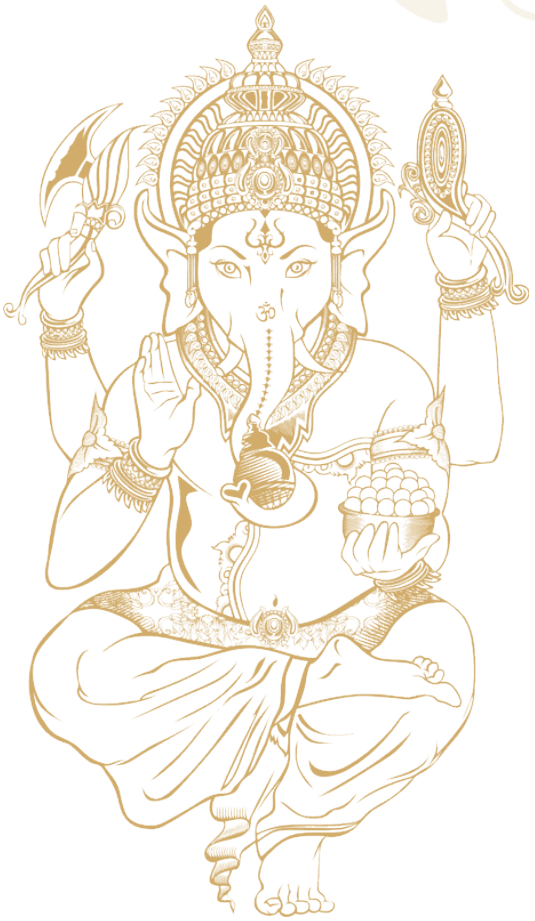

Himanshu

Naina

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121701107

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/10/2005	जन्म तिथि	20-21/05/2008
सोमवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 15:20:00	जन्म समय	00:05:00 घंटे
घटी 22:03:22	जन्म समय(घटी)	46:35:59 घटी
India	देश	India
Kurukshetra	स्थान	Delhi
29:59:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
76:51:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:36	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:30:39	सूर्योदय	05:27:49
17:43:41	सूर्यास्त	19:07:53
23:56:13	चित्रपक्षीय अयनांश	23:58:36

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 3वर्ष 10मा 23दि		17:42:41	कुंभ	लग्न	मक	18:41:26	शनि 4वर्ष 4मा 22दि	
शनि		07:08:51	तुला	सूर्य	वृष	06:07:35	बुध	
16/09/2009		00:05:10	कर्क	चंद्र	वृश्चि	13:34:55	12/10/2012	
16/09/2028		25:49:09	मेष व	मंगल	कर्क	11:57:34	12/10/2029	
शनि	19/09/2012	28:35:34	तुला	बुध	वृष	26:11:50	बुध	11/03/2015
बुध	30/05/2015	05:41:27	तुला	गुरु व	धनु	28:11:32	केतु	07/03/2016
केतु	08/07/2016	23:49:42	वृश्चि	शुक्र	वृष	00:53:15	शुक्र	06/01/2019
शुक्र	08/09/2019	16:36:12	कर्क	शनि	सिंह	07:58:40	सूर्य	12/11/2019
सूर्य	20/08/2020	19:32:41	मीन व	राहु व	मक	28:15:52	चन्द्र	13/04/2021
चन्द्र	21/03/2022	19:32:41	कन्या व	केतु व	कर्क	28:15:52	मंगल	10/04/2022
मंगल	30/04/2023	13:07:02	कुंभ व	हर्ष	कुंभ	28:07:42	राहु	27/10/2024
राहु	06/03/2026	20:52:54	मक व	नेप	कुंभ	00:16:06	गुरु	02/02/2027
गुरु	16/09/2028	28:35:38	वृश्चि	प्लूटो व	धनु	06:36:31	शनि	12/10/2029

लग्न-चलित

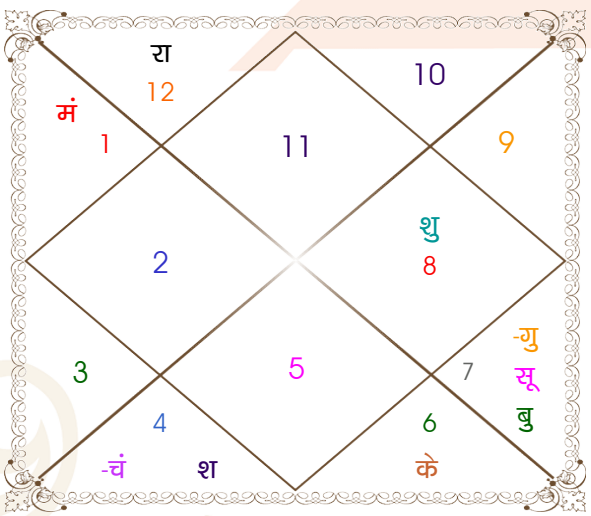

लग्न-चलित

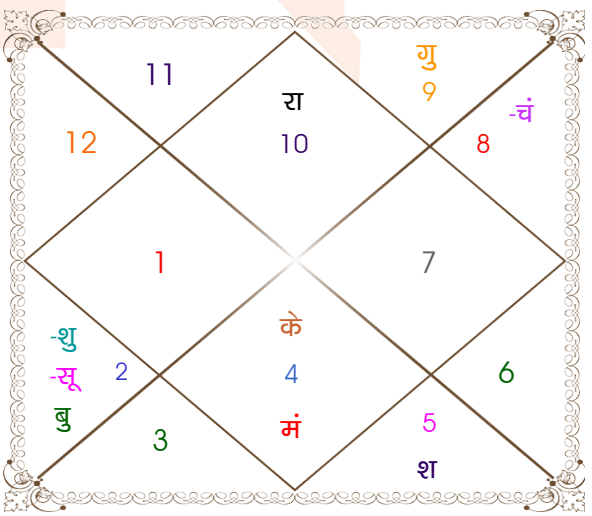

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मार्जार	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	मंगल	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Himanshu का वर्ग मेष है तथा Naina का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Himanshu और Naina का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Himanshu मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Naina मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Naina कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Naina कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Himanshu कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Himanshu तथा Naina में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।